औपचारिकता पुस्तक मेले का आयोजन केवल खानापूर्ति और कागजी कार्यवाही का बना जरिया

पुस्तक मेले में नहीं मिलीं पुस्तकें, बिना दुकानों के मेले का हुआ उद्घाटन

नवभारत,नरसिंहपुर। जिले में जिला कलेक्टर के आदेश अनुसार हर ब्लॉक में पुस्तक मेला तय तारीख को में लगाया जाना था जिसके लिए प्रशासन के द्वारा पुस्तक विक्रेताओं को और स्कूलो को अवगत कराया गया था, बीते तीन दिन में नरसिंहपुर गोटेगांव के बाद करेली में भी पुस्तक मेले का आयोजन किया गया, लेकिन यह मेला केवल खानापूर्ति और कागजी कार्यवाही का जरिया बना।

यह है मामला

करेली के पीएम श्री कन्या विद्यालय में मेले का उद्घाटन सुबह 9:30 बजे होना था और हुआ भी लेकिन 12:00 बजे तक मेले में कोई भी दुकानदार नहीं पहुंचा जिससे अभिभावक बेहद निराश हुए जहां एक और करेली ब्लॉक में 50 से अधिक निजी विद्यालय संचालित है उसके बावजूद किसी भी विक्रेता का समय पर मेले में ना पहुंचना कहीं ना कहीं शिक्षा विभाग के औपचारिकता को सार्वजनिक रूप से दर्शाता है। इतना ही नहीं जब पुस्तक विक्रेता मेले में पहुंचे तो जो पुस्तक विक्रेता मेले में पहुंचे थे उनके पास किसी भी स्कूल की किताबें उपलब्ध नहीं थी वह केवल कॉपियो और स्टेशनरी का विक्रय कर रहे थे। गौरतलब है कि करेली ब्लॉक में लगभग 20000 से अधिक विद्यार्थी निजी विद्यालयों में अध्यनरत है, इसके बावजूद पुस्तक मेले में इन विद्यालयों की किताबें ना होना, शिक्षा विभाग और अभिभावकों के लिए परेशानी का सबब है।

चावरा की किताबें उपलब्ध नहीं करा पाया जिला प्रशासन

जिला मुख्यालय पर संचालित जावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय के रूप में माना जाता है जिसमें नरसिंहपुर के 3000 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं इस स्कूल की किताबें नरसिंहपुर और करेली जनपद के मेले में कहीं दिखाई नहीं दी, गौरतलब है कि यह स्कूल जिला मुख्यालय पर संचालित है और करेली जनपद में शामिल है लेकिन इसके बाद भी इस स्कूल की किताब है ना तो नरसिंहपुर जनपद के नेहरू स्कूल में लगे मेले में उपलब्ध थी और ना ही करेली जनपद के मेले में किसी विक्रेता के द्वारा चावरा विद्यापीठ की किताबें विक्रय की गई, जबकि बाजार में कई दुकानों पर चावरा विद्यापीठ की आधी दूधी किताबें उपलब्ध है, जो कि दुकानदार के द्वारा मनमाने दामों पर विक्रय की जा रही हैं।

इनका कहना है

हम अभी 12 बजे दुकान लेकर आए हैं और हमारे पास कॉपियां उपलब्ध है किताबें केवल कुछ सिलेक्टेड ही हैं जिनका विक्रय अब हम शुरू कर रहे हैं।

-सत्यम पटेल, सूरज स्टेशनरी

चावरा की ड्रेस अभी उपलब्ध नहीं है जितनी भी ड्रेस है उपलब्ध हैं उन पर कोई डिस्काउंट नहीं है सभी का रेट तय है।

- यूनिफॉर्म विक्रेता

सुबह 9:30 से आए हैं स्कूल में मैसेज किया था 9:30 बजे मेला शुरू हो जाएगा लेकिन अभी तक कोई भी दुकानदार नहीं आया है।

-संतोष नोरिया, अभिभावक

आजीविका मिशन कार्यालय उड़ा रहा स्वच्छता अभियान की धज्जियां

नवभारत,गोटेगांव। शासन एक ओर जहां स्वच्छता अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च कर जनता को जागरूक करने का दावा कर रहा है, वहीं जनपद पंचायत गोटेगांव के परिसर में स्थित आजीविका मिशन का कार्यालय स्वयं इस अभियान की धज्जियां उड़ा रहा है। कार्यालय परिसर इन दिनों गंदगी के ढेर और अव्यवस्थाओं का केंद्र बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि जिस कार्यालय से ग्रामीण विकास और आजीविका की महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन किया जाता है, उसी के आसपास कचरे के ढेर और गंदगी पसरी हुई है। कार्यालय में बैठने वाले अधिकारी और कर्मचारी दिन भर इसी वातावरण में काम करते हैं, लेकिन अपने कार्यस्थल की स्वच्छता के प्रति पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब जनपद पंचायत जैसे जिम्मेदार परिसर के भीतर ही सफाई की यह स्थिति है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता का संदेश कितना प्रभावी होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

एक कदम मानव सेवा की ओर के तहत नि :शुल्क मेडिकल कैंप सफल

नवभारत,गाडरवारा। एक कदम मानव सेवा की ओर के संकल्प के साथ गाडरवारा एवं आसपास के युवाओं द्वारा संचालित निशुल्क मेडिकल कैंप का 80वां आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह विशेष पहल इस बात का उदाहरण है कि समाज की सच्ची सेवा बिना किसी बड़े संस्थान या बाहरी आर्थिक सहायता के भी की जा सकती है। इस सेवा कार्य की खास बात यह है कि यह कोई एनजीओ या संस्था नहीं है इसमें कहीं से कोई बाहरी फंडिंग नहीं आती यह पूरी तरह 45-50 युवाओं के दान और सहयोग से संचालित होता है इस बार आयोजित कैंप में 4 बड़े शहरों और 24 दूर-दराज के गांवों से आए कुल 108 मरीजों का निशुल्क उपचार किया गया। यह मेडिकल कैंप प्रत्येक माह के पहले रविवार को साई धाम मंदिर, ग्राम कान्हरगांव में आयोजित किया जाता है, जो पिछले 80 महीनों से लगातार जारी है। इस सेवा कार्य को पूर्ण रूप से पॉलीथिन मुक्त रखा गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी दानदाताओं और निस्वार्थ सेवा दे रहे डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने कामना की कि मां नर्मदा की कृपा सभी पर बनी रहे और यह सेवा निरंतर आगे बढ़ती रहे। ऐसी पहलें समाज के लिए प्रेरणा हैं — जहां सेवा, समर्पण और सहयोग मिलकर बदलाव लाते हैं।

मेहरा समाज महासंघ ने किया डॉ . पारुल मेहरा का सम्मान

नवभारत,गाडरवारा। मेहरा समाज महासंघ नरसिंहपुर, गाडरवारा द्वारा दिनांक अप्रैल 2026 को द पटियाला हाउस, कचहरी के सामने, गाडरवारा में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की होनहार बिटिया डॉ. पारुल मेहरा को पीएचडी (एग्रीकल्चर) में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मानसिंह मेहरा ने की। समारोह में प्रदेश अध्यक्ष अंशु डेहरिया, कार्यकारिणी अध्यक्ष मेनका मेहरा, उपाध्यक्ष हेमलता मेहरा, कोषाध्यक्ष मणि मेहरा, तथा अशोक डेहरिया (जबलपुर) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समाजसेवा व शिक्षा क्षेत्र में मिला उत्कृष्ट नागरिक सम्मान

नवभारत,गाडरवारा। रविवार को पत्रकार फाउंडेशन नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के विशेष सहयोग से उत्कृष्ट नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, नरसिंहपुर में किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों को सम्मानित किया गया। गाडरवारा क्षेत्र से पिछले 22 वर्षों से समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश बसेडिया को समाजसेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। वहीं, उसराय में पदस्थ नवाचारी शिक्षक हल्केवीर पटैल को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने दोनों प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर मंच पर, भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय साहू, जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र नागेश, एडीशनल एसपी संदीप भूरिया, निशा सोनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष उल्लेखनीय है कि मुकेश बसेडिया विगत कई वर्षों से अपने निजी खर्च पर दुर्गम एवं दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में निराश्रित और असहाय वृद्धजनों की पुत्रवत सेवा कर रहे हैं। साथ ही वे बेटियों की शिक्षा और सम्मान के लिए निरंतर प्रेरणादायी कार्य कर रहे हैं। अंत में बसेडिया ने पत्रकार फाउंडेशन के ताराचंद पटेल, विमल वानगात्री, विपिन वैरागी सहित सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस मंडल अध्यक्षों की हुई घोषणा

नवभारत,गोटेगांव। आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस ने मंडलम अध्यक्षों की नई नियुक्तियों की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल की अनुशंसा पर यह सूची जारी की गई है। संगठन विस्तार की इस प्रक्रिया के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नए मंडलम अध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि वे न केवल संगठन को सक्रिय बनाएंगे, बल्कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में भी तत्परता से अपनी भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस पदाधिकारियों का मानना है कि इन नियुक्तियों के बाद जिले में पार्टी की कार्यप्रणाली में स्पष्ट तेजी आएगी और आगामी समय में कांग्रेस अधिक सशक्त रूप में उभरकर सामने आएगी। नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने का भी निर्देश दिया गया है।

एक नजर में

108 मरीजों का हुआ नि :शुल्क उपचार

नवभारत,चीचली। साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 80 वें कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 108 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी। मेडीकल कैम्प में, डाक्टर संजय मोदी, डाक्टर मनीष महोबिया, डाक्टर,अरूण दोहरे,डाक्टर करूणा मालवीय, सहयोगी,राहुल गिरी गोस्वामी,नीलेश कुशवाहा, प्रशात सोनी, आकाश रजक, सहित साई धांम मंदिर सेवा समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। मेडीकल कैम्प में होशंगाबाद, नरसिंहपुर, जबलपुर, पिपरिया, गाडरवारा, सालेचौका, दिघोरी, सूखाखेरी, थलबाड़ा, महलबाड़ा, ढाना, कठोतिया, इमलिया, कामती, महगवां कला, चीचली, बरेली, कान्हरगाव सहित अनेक गावों के मरीज उपस्थित रहे।

कल तेंदूखेड़ा के कन्या विद्यालय में लगेगा पुस्तक मेला

नवभारत,तेंदूखेड़ा। नवीन शैक्षणिक सत्र का 1 अप्रैल से आगाज हो गया है। नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में विद्यार्थियों द्वारा क्रय की जाने वाली पुस्तकें स्टेशनरी यूनिफॉर्म जूते बैग इत्यादि उचित मूल्य पर सुलभता से अभि भावकों को मिल सके इसके लिए शासन द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार विकास खंड स्त्रोत समन्वयक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले के समस्त विकासखंडों में नियत तिथि पर उचित मूल्य पर पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्राइवेट एवं शासकीय विद्यालय में पढ़ने वाले छात्राओं को उचित मूल्य पर पुस्तक एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियां उपलब्ध कराई जा सके। आगामी 7 अप्रैल मंगलवार को विकासखंड स्तर का शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में सुबह 10 बजे से पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी अभिभावकों से अपील की गई है कि वह इस पुस्तक मेले में सम्मिलित होकर उचित मूल्य पर अपने बच्चों के लिए स्टेशनरी एवं शैक्षणिक सामग्री क्रय कर सकते हैं। वर्तमान समय में प्राइवेट स्कूलों द्वारा निर्धारित पुस्तक विक्रेताओं से स्टेशनरी एवं क्षेत्र सामग्री खरीदने के लिए औपचारिक रूप से दबाव बनाया जाता है ।शासन के इस आदेश के बाद औपचारिक या अनौपचारिक रूप से अभिभावक कहीं से भी अब पुस्तक या अन्य सामग्री क्रय कर सकता है इसके लिए स्कूलों द्वारा कोई बाध्यता नहीं रखी जाएगी।

शोपीस बने एटीएम, नकदी के लिए भटक रहे लोग

नवभारत,गोटेगांव। नगर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एटीएम सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। पिछले कई दिनों से नगर के अधिकांश एटीएम बंद रहने के कारण उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर आपातकालीन स्थिति और अवकाश के दिनों में जब नकदी की सर्वाधिक आवश्यकता होती है, तब इन मशीनों पर आउट ऑफ सर्विस का बोर्ड लटका मिलता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मशीनों में या तो कैश नहीं होता या तकनीकी खराबी बनी रहती है, जिससे उन्हें निजी बैंकों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उपभोक्ताओं ने बैंक प्रबंधन से नियमित मॉनिटरिंग और पर्याप्त कैश उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। बार-बार बाधित हो रही इस महत्वपूर्ण सेवा को लेकर स्थानीय स्तर पर बैंक के प्रति गहरा असंतोष व्याप्त है।

आंगनबाड़ी केंद्र के लिए 11 लाख से अधिक राशि स्वीकृत होने पर पार्षद ने जताया आभार

नवभारत,गाडरवारा। निश्चित ही जब क्षेत्र का जिम्मेदार जनप्रतिनिधि निष्ठावान होता है, तो वह अपने क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ता। ऐसी ही कार्यशैली इन दिनों क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह में देखने को मिल रही है, जो जनहित से जुड़े मुद्दों पर त्वरित निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। बीते दिनों नगर के आजाद वार्ड की पार्षद राजकुमारी सतीश कौरव ने छोटे बच्चों के शिक्षा से वंचित रहने की समस्या को मंत्री के समक्ष रखा था।

इस पर गंभीरता दिखाते हुए मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से आजाद वार्ड में नवीन आंगनवाड़ी भवन निर्माण हेतु 11 लाख 22 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस स्वीकृति से अब वार्ड में नया आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित होगा, जिससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। यह पहल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मंत्री द्वारा दी गई इस सौगात पर पार्षद राजकुमारी सतीश कौरव ने मंत्री के कार्यालय पहुंचकर उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य को संभव बनाया।

अत्यधिक केमिकलों के प्रयोग से क्षीण हो रही जमीनी उर्वरा शक्ति

नवभारत,तेंदूखेड़ा। मंहगाई के इस दौर में खेती को लाभ का धंधा बनाने की चाहत और फिर लागत मूल्य निकालनें के चक्कर में खेतों में डलने वाले जहरीले कीटनाशकों की वजह से ना केवल जमीन की उर्वरक क्षमता बुरी तरह से प्रभावित हो रही है वहीं मानव शरीर पर भी इसके गहरे प्रभाव पड़ रहें हैं। लगातार दवाईयों के प्रयोग से जमीन के भीतर विभिन्न प्रकार के जीव जो जमीन के हितैषी हैं वह भी नष्ट हो रहें हैं।

इस व्यवस्था में यदि किसानों ने बदलाव नहीं किया तो आने वाले समय में इसके दुष्प्रभाव से खतरे ही खतरे हैं। मूंग में सबसे ज्यादा दवाईयों का प्रयोग जिस दाल को डाक्टर लोग बीमारी के समय मरीज को उपयोग करने के लिए बोला करते हैं। उसी मूंग दाल में सबसे ज्यादा रासायनिक दवाईयों का प्रयोग किया जाता है ।जो मानव शरीर के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। गर्मी के मौसम में तैयार होने वाली इस फसल में जहां सर्वाधिक पानी लगता है वहीं दो से तीन माह में तैयार होने वाली इस फसल में सर्वाधिक दवाईयों का प्रयोग किया जाता है ।जो मानव शरीर के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। अब कटाई के पूर्व किया जाता है दवाईयों का छिड़काव चांवरपाठा विकास खंड में हजारों हेक्टेयर भूमि में मूंग की फसल लगाई गई है। लगभग पूर्व की बोवनी के हिसाब से यह उपज तैयार हो चुकी है ।मौसम के बदलते मिजाज और मजदूरों की समस्या को लेकर इस फसल की पत्तियों को सुखाने के लिए जिस तरह के पैराकाट टेक्नीकल का उपयोग किया जा रहा है। जहां पर फसल लगभग पककर तैयार हो चुकी है और पत्तियां अभी हरी बनीं हुई है। वहां पर जिस तरह से प्रेसीसाइड का प्रयोग किया जा रहा है वह कृषि वैज्ञानिकों के हिसाब से ठीक नहीं है। चूंकि यह प्रेसीडाइड का प्रयोग खरपतवार नाशक है लेकिन किसान मूंग फसल को जल्दी काटने को लेकर पत्ते सुखाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। कृषकों का कहना है कि इससे फसल काटने में आसानी हो जाती है और जहरीले जंतु भी मर जाते हैं या भाग निकलते हैं। जमीन में हो रही पोषक तत्वों की कमी जमीन के पोषक तत्वों में लगातार हो रही कमी इसके ज्वलंत उदाहरण है और मानव जीवन में विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियां प्रमाण है। पहले कभी जमीन को वर्ष में एक या दो बार ही जमीन को जोता जाता था लेकिन अब वर्ष में तीन बार जमीन जोतने के चक्कर और अधिक उत्पादन को लेकर मूंग जैसी फसल में तीन से पांच स्प्रे से जिस तरह से जहर के बीच फसलों का उत्पादन हो रहा है यह विषय तत्काल के लाभ की दृष्टि से तो ठीक है लेकिन इसके दूरगामी परिणाम और मानव सेहत पर गंभीर परिणाम निकलकर सामने आ रहे हैं ।कैंसर और साइलेंट अटैक जैसे अनेक उदाहरण सामने है।

तूफान का कहर, किसान का घर गिरा, गेहूं सहित पूरा सामान बर्बाद

बेमौसम बारिश में किसान को भारी नुकसान, प्रशासन से तत्काल राहत की मांग

नवभारत/ नरसिंहपुर/ सालीचौका। क्षेत्र में अचानक बदले मौसम ने किसानों के लिए भारी संकट खड़ा कर दिया है। बेमौसम बारिश और तेज तूफान के चलते ग्राम बसुरिया के किसान कैलाश राय 'पप्पू' का कच्चा मकान धराशायी हो गया। इस हादसे में न केवल उनका घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, बल्कि घर के अंदर रखा गेहूं भी भीगकर खराब हो गया और अन्य घरेलू सामान भी नष्ट हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसान कैलाश राय ने हाल ही में अपनी मेहनत से उगाई गई गेहूं की फसल काटकर घर में सुरक्षित रखी थी, लेकिन अचानक आई तेज बारिश और आंधी ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। मकान गिरने से गेहूं खुले में आ गया और पानी में भीगकर उपयोग के लायक नहीं रहा। इस घटना के बाद किसान का परिवार गहरे संकट में आ गया है। रहने के लिए घर नहीं बचा है और खाने के लिए रखा अनाज भी नष्ट हो चुका है। परिवार को फिलहाल खुले आसमान के नीचे या अस्थायी व्यवस्था में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, तेज आंधी-तूफान के कारण क्षेत्र में कई जगह नुकसान हुआ है, लेकिन कैलाश राय 'पप्पू' को सबसे अधिक क्षति पहुंची है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि तत्काल मौके पर पहुंचकर नुकसान का सर्वे कराया जाए और पीड़ित किसान को उचित मुआवजा व राहत राशि प्रदान की जाए। किसान कैलाश राय 'पप्पू' ने भी प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है, ताकि वह अपने मकान का पुनर्निर्माण कर सके और पुन: खेती का कार्य शुरू कर सके।

समय पर राहत पहुंचाई जाए

ग्राम पंचायत बसुरिया के सरपंच ने बताया कि बेमौसम बारिश और तूफान से हुए नुकसान की जानकारी प्रशासन को दे दी गई है। जल्द ही राजस्व अमला मौके पर पहुंचकर सर्वे करेगा और पीड़ित किसान को शासन की योजना के तहत सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। प्राकृतिक आपदाओं के कारण लगातार बढ़ती किसान परेशानियों के बीच यह घटना शासन-प्रशासन के लिए एक चेतावनी भी है कि समय रहते प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाई जाए, जिससे उनका जीवन दोबारा सामान्य हो सके।

अचानक बदले मौसम के मिजाज ने किसानों की उड़ाई नींद

नवभारत,गोटेगांव। बीते दिवस अचानक बदले मौसम ने किसानों की नींद उड़ा दी है। सुबह 9:00 से 10:00 बजे के बीच हुई हल्की बारिश और दिनभर आसमान में छाए बादलों व रुक-रुक कर हो रही वर्षा के कारण गेहूं और चने की फसल पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इस समय किसानों की फसल या तो खेतों में पककर तैयार खड़ी है या कटाई के बाद खलिहानों में मड़ाई के इंतजार में पड़ी है। किसानों का कहना है कि गेहूं और चने की फसल कटाई के अंतिम चरण में है, ऐसे में नमी या बारिश से न केवल उत्पादन प्रभावित होगा बल्कि दाने की गुणवत्ता भी खराब हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसानों का अनाज अभी तक सुरक्षित स्थानों या वेयरहाउस तक नहीं पहुंच सका है, जिससे जोखिम और अधिक बढ़ गया है। बेमौसम बरसात के इस दौर ने किसानों को मायूस कर दिया है। यदि आगामी समय में बारिश का सिलसिला तेज होता है, तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।